



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 305] नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 23, 1990/श्रावण 1, 1912
No. 305] NEW DELHI, MONDAY, JULY 23, 1990/SRAVANA 1, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1990

सं. 29/90 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन टी)

सा.का.नि. 658(अ) :—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना है) साधारणतया प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ऐक्ट अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उप शीर्ष सं. 0902.19 के अन्तर्गत घाने वाली जाव पर उत्पाद-शुल्क और उक्त उप शीर्ष के अन्तर्गत घाने वाली संमिश्रण प्रसंस्करण छंटाई, या पैकिंग द्वारा

निमित्त चाय, जिस पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क की समुचित रकम पहले ही संभल की जा चुकी है, 28 फरवरी, 1986 को प्रारम्भ होने वाली और 1 जनवरी, 1989 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, उक्त अवधि के दौरान ऐसे प्रभावी उत्पाद-शुल्क के संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई किसी अधिसूचना के साथ पठित प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहीत नहीं किया गया था;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11ग द्वारा उक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए यह निदेश देती है कि ऐसी चाय पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत संदेय मूल्य उत्पाद-शुल्क यदि उक्त अध्या न होती, उक्त उत्पाद-शुल्क ऐसी चाय की बाबत संदेय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिस पर उक्त अध्या के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उक्त उत्पाद शुल्क उद्ग्रहीत नहीं किया गया था।

[फा. सं. 10/1/89-सी. एक्स.-1]

एच. के. पंडा, प्रका. सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd July, 1990

NO. 29/90-CENTRAL EXCISES (N. T.)

G.S.R. 655(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on tea, falling under sub-heading No. 0902.19 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), and manufactured by the process of blending, sorting or packing from tea falling under the said sub-heading on which the appropriate amount of duty of excise leviable thereon has already been paid ; was not being levied during the period commencing on the 28th February, 1986 and ending with the 1st January, 1989 under the section 3 of the first-mentioned Act read with any notification issued by the Central Government in relation to the duty of excise so chargeable during the said period ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act, on such tea, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such tea on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 10/1/89-CX. 1]

S. K. PANDA, Under Secy